>

Title: Regarding devastating floods occurred in Allahabad, Uttar Pradesh.

श्री कपिल मुनि करवारिया (फूलपुर): माननीय सभापति महोदय, मैं इलाहाबाद में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई तबाही के संबंध में आपके माध्यम से सरकार के समक्ष रखना चाहता हूं कि इलाहाबाद के शहरी क्षेत्र सलोरी-शिवकुटी, छोटा बघाड़ा, बेलीगांव, भारद्वाजपुरम, रसूलाबाद, जोधवल बक्शी सहित दारागंज, मेयोराबाद, उमरपुर नींवा आदि दर्जनों मुहल्ले तथा ग्रामीण क्षेत्र के करेंहदा, असरावल, फुलवा, बिसौना व सोरावं तहसील के मुबारकपुर, फत्तोपुर, पीरदल्लू, अहमदपुर, रंगपुरा, मनसैता, जगदीशपुर आदि तथा फूलपुर तहसील के बदरा, सोनौटी, धोकरी, पैगम्बरपुर, लीलापुरकलां, दक्षिणी कोटवा, ककरा, जमुनीपुर, लीलापुरखुर्द, बेलवार, तिवारीपुर सहित दर्जनों गांव बाढ़ से तबाह हैं और जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। इन गांवों के कई मकान दो-तीन मंजिलों तक डूबे हुए हैं और लोग दूसरी एवं तीसरी मंजिलों पर रहने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी गांव छोड़कर पलायन कर गयी है। बाढ़ के कारण शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के कई मकान जमींदोज हो गए हैं।

महोदय, डेढ़ माह से गंगा एवं यमुना नदियों का जलस्तर निरंतर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, जिससे बाढ़ का व्यापक असर बना हुआ है। बाढ़ के कारण कई मकान गिर गए हैं, कई लोगों की जान चली गयी है और हजारों मकान डेढ़ माह से डूबे होने के कारण जर्जर व क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ से किसानों की हजारों एकड़ फसल जलमग्न होकर बर्बाद हो गयी है। किसानों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। किसान भुखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। पशुओं के लिए चारे की बहुत बड़ी समस्या हो गयी है। पशुओं के लिए चारा न मिल पाने से जानवर भी तड़प रहे हैं।

सभापति महोदय, बाढ़ से निपटने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बाढ़ राहत शिविर केन्द्रों की स्थापना की गयी है, लेकिन उनमें शुद्ध पेयजल, भोजन व शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं बिल्कुल नहीं हैं। प्रदेश सरकार द्वारा नाव की व्यवस्था भी ठीक से नहीं की गयी है, जिसकी वजह से लोग बाढ़ से अभी तक प्रभावित हैं और बाढ़ से नहीं निकल पा रहे हैं। बाढ़ राहत शिविरों की व्यवस्था का आलम यह है कि एनीबेसेंट स्कूल में जो शिविर लगाया गया है, उसमें एक बच्चे को सुअर ने दबोच लिया, बड़ी मुश्किल से उसे बचाया गया। बाढ़ से जिन लोगों के मकान गिर गए हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें क्षतिपूर्ति मुआवजा दिया जाए। जिन किसानों की फसल बर्बाद हो गई है, उन्हें प्रति एकड़ 10,000 रुपए का मुआवजा मिलना चाहिए। बाढ़ के बाद उस एरिया में महामारी फैलने की आशंका है। इसलिए उसे रोकने के लिए दवा आदि के छिड़काव की व्यवस्था की जाए, अन्यथा महामारी फैल सकती है। मैं अंत में आपके माध्यम से मांग करता हूं कि बाढ़ से बचाने के लिए वहां गंगा और यमुना नदी के किनारे एक नया बांध बनाया जाए।

MR. CHAIRMAN : I would request the hon. Members to be very brief as many Members are interested in making submissions during the 'Zero Hour'. You please mention only the points.